जिसके हृदय में भगवान होते है,उसे हर कण कण में होते है भगवान के दर्शन-वंदना श्रीजी

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा शुरू

इंदौर। हर व्यक्ति अपने बच्चो को अच्छे संस्कार दे,उन्हे संस्कारित करे,बच्चो को मंदिर ले जाए भगवान के दर्शन कराए,बच्चो को हनुमान चालीसा का पाठ बचपन से करना सिखाएं,उससे युवा पीढ़ी धर्म के प्रति जाग्रत होगी, प्रत्येक घर में बनने वाले भोजन को प्रसादी समझकर ही ग्रहण करना चाहिए,पहले भगवान को प्रसादी का भोग लगाए फिर उसे ग्रहण करे। हरि का आश्रय लेकर जीवन में जीना चाहिए,मंदिरों में मूर्ति नही स्वयं भगवान विराजते है, जिसके हृदय में भगवान होते है उसी को भगवान के दर्शन होते है,उसे हर कण कण में भगवान दिखते है,भगवान के नाम में आनंद ही आनंद है, जो व्यक्ति भगवान का भजन सकीर्तन करता है उसके हृदय में भगवान जरूर होते है,भगवान हरि स्मरण प्रतिदिन करना चाहिए,जीवन में हमेशा भगवान से प्रेम करना चाहिए,प्रभु नाम से बडा कोई नाम नहीं है,भगवान के दर्शन मात्र से ही सारे संकटों से मुक्ति मिलती है,जीवन में अच्छे भाव रखे,माता पिता को सेवा करे,जीवन में भगवान का सहारा बहुत जरूरी है। यह बाते ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के पहले दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में सत्कर्म करते चले।

आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि सात श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत हुई। कथा की शुरुआत में व्यासपीठ का पूजन कथा के संरक्षक विधायक रमेश मेंदोला ने किया। कथा श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। कथा में वंदना श्री जी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा में भगवान के स्वरूप में कलाकारो ने नाट्य मंचन भी किया। व्यासपीठ का पूजन अर्चन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, गणेश गोयल,राज दीक्षित, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल ,राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद्भागवत महापुराण कथा 17 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक वंदना श्रीजी के मुखारविंद से आनंदम क्लब एंड रिजॉर्ट रसोमा चौराहा पर होगी।